SUP-POWER

NOVEMBER –DECEMBER - 2010

Visit at http://10.139.248.248

S.B.I. OFFICERS' ASSOCIATION
(PATNA CIRCLE)

GLIMPSES OF EVENTS

Community Service Programme
at YMCA's Literacy Centre
on 3rd October 2010

Chief General Manager **Shri R. Venkatacholam** felicitated by the Circle Association on his promotion as Deputy Managing Director. Glimpses of the felicitation function held on the **26th November 2010**

सम्पादक की कलम से

प्रिय साथियों,

आज मैं आपको जमशेदपुर से सम्बोधित कर रहा हूँ। दो महीनें पहले ही मैंने यहाँ अपना नया कार्यभार सम्हाला है, और एक नई जगह में संघ के कई नये-पुराने सदस्यों से मुलाकात करने का अवसर भी मिला। मैंने आपसे पहले ही कहा था कि स्थानान्तरण का यह लाभ है कि आप नये मित्र बनाकर अपना सामाजिक दायरा बढ़ा सकते हैं।

पिछले दो महीने संघ के लिये गौरवपूर्ण रहे। हमने दिल्ली में अपने चिर प्रतीक्षित अतिथि भवन को सदस्यों के उपयोग के लिये खोल दिया। हमारे पटना मंडल के संघ के इतिहास में यह एक अविस्मरणीय तथा अभूतपूर्व घटना है और हम इससे आह्लादित हैं। दिल्ली भ्रमण करने वाले सदस्यों के लिये यह अतिथि गृह अवश्य उपयोगी होगा। अक्टूबर माह में ही मंडल कल्याण समिति की बैठक हुई, जिसमें सदस्यों के कल्याणार्थ कई प्रस्ताव पारित हुये। अभी कुछ ही दिन पहले मंडल प्रबन्धन के सदस्यों ने हमारे संघ कार्यालय का भ्रमण किया। हमारे संघ के लिये यह भी एक अविस्मरणीय अवसर था, और मैं अपने उन सभी साथियों का आभार व्यक्त करता हूँ जो इस अवसर पर संघ के कार्यालय में उपस्थित थे।

आपको विदित होगा कि पिछले दिनों हमारे मंडल के मुख्य महाप्रबन्धक की पदोन्नति उपप्रबन्ध निदेशक के पद पर हो गई। संघ के सभी 6243 सदस्यों की तरफ से उन्हें कोटिशः बधाई। यह पटना मंडल के लिए सौभाग्य की बात है कि दो लागातार मुख्य महाप्रबन्धक को पदोन्नति देकर उप-प्रबन्ध निदेशक पद को सुशोभित करने का अवसर मिला है। पटना मंडल के हम सभी सदस्य इस अवसर पर अपने को गौरान्वित महसूस कर रहे हैं।

साथियों, पिछले दिनों राँची में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना भी हुई जब हमारी एक महिला सदस्य को एक बहुत ही पुराने आपराधिक केस में पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। हलांकि संघ के अधिकारी इस बात के लिये लगातार प्रयासरत हैं, कि अतिशीघ्र उनकी जमानत हो जाये, पर यह घटना हमें सचेत करती है कि हम अपने दैनिक कार्य में भी हमेशा सचेत रहे। एक छोटी सी भूल का परिणाम अतिदुखदायी भी हो सकता है।

मैं कामना करता हूँ कि आपके तथा आपके परिवार के लिये आने वाले दिन और भी सुखमय हों।

आपका,

विकास कुमार

OBITUARY : We regret to inform the readers of Sup-Power of the premature death of undernoted colleagues during October 2010- November 2010.

Name	*Place of Posting*	*Date*
M. K. Khan	Phusro Bazar	03.10.2010
S. K. Singh	Saharsa	17.10.2010
P. P. Sarkar	RCPC, Dumka	13.11.2010

We pray the Almighty to grant courage to the members of the bereaved families to withstand this irreparable loss. We also pray that the departed souls may rest in eternal peace.

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष ही साधन है।

INCREASE IN REMUNERATION

Remuneration for working on SUNDAYS / HOLIDAYS for officers increased to Rs.850/- for Scale - I & II; Rs.900/- for Scale - III & Rs.1000/- for Scale - IV & V. Instructions issued vide LHO letter no. HR/JB/4856 dated 15.10.2010.

MEETING OF ZONAL COMMITTEE

Meeting of Zonal Committee Muzaffarpur was held at Muzaffarpur on 28th November, 2010. The Committee deliberated on the issues of importance in the area of operation of the module.

1st ANC meeting of Triennial period 2009-2012 was held on 23.10.2010 at Administrative Office, Patna. The Agenda items were thread barely discussed.

Meeting of Zonal Committee, Bhagalpur was held at Bhagalpur on Sunday, 3rd October, 2010. The Committee deliberated on the issues of importance in the area of operation of the module. The members were also addressed by Com. Pankaj Jha and Com. Arijit Bose, Organising Secretary.

CHANGES IN MANAGEMENT

Shri D. Mozumder has taken over as the General Manager, Network - II at our Local Head Office w.e.f. 5th October, 2010.

Shri Y. K. Lumba has joined as DGM (O & C), Network - I in place of Shri Shailesh Verma who has been transfered to Jaipur.

Shri P. Chakraborty has joined as DGM, Jharkhand-I in place of Shri V. S. Ohri.

Shri O. P. Mehta has reported to the Circle on promotion as Deputy General Manager. He has been posted as DGM (Alternate Channel)

Shri R.S. Bhargav has reported to the Circle on promotion as Deputy General Manager. He has been posted as DGM (Outreach).

ORGANISATIONAL MATTER

The vindictive arrest of Com. Sunita Kachchap of Dipatoli branch was raised by the Association and the bank Management has taken it with all seriousness and a lawyer has been provided by the Bank to defend Smt. Kachchap.

To protest against the arrest a PRESS CONFERENCE was held at Ranchi on 24.11.2010, followed by Lunch Time demonstration.

VISIT OF OFFICE-BEARERS

During his recent visit to Ranchi the General Secretary addressed the officers posted in A.O and other branches/offices of Ranchi alongwith the office-bearers of Ranchi Zonal Committee.

PROMOTIONS

SBIOA congratulates Shri O. Velayudhan and Shri Hemant Kumar on their promotion to SMGS - V and SMGS - IV respectively.

SBIOA also congratulates Shri R.P.Choudhary, Shri A. K. Pathak and Shri Awadhesh Kr Verma on their promotion to SMGS - V under appeal.

CONGRATULATIONS

67 officers who retired from the bank's service during the last 2 years have been appointed as Channel Management Facilitators for 2010-11. Sup-Power Congratulates them on their appointment.

COMMUNITY SERVICE PROGRAMME

The Circle Association sponsored a Community Service Programme at the YMCA's Literacy Centre on the occasion of Gandhi Jayanti on 3rd October, 2010 at Christ Church Compound, Patna. School Kits, Black Board and Carpet for the slum and street children of the centre was donated by the Association. President Com. L.K.P. Singh alongwith Com. A. Akhauri and Com. Vinod Kumar participated in the programme.

GUEST HOUSE AT NEW DELHI

The Central Committee at its meeting on the 1st August, 2010 decided to set up a GUEST HOUSE of the Association at New Delhi.

A 4 bed room GUEST HOUSE at Sector - 4/321, Vaishali, Ghaziabad WAS INAUGURATED ON THE 18TH November, 2010 by Com. T. N. Goel, President, AISBOF.

HOW TO REACH DELHI GUEST HOUSE

Location	:	2.5 kms from Anand Vihar Railway Station, 13 kms from New Delhi Railway Station, 12 kms from Ghaziabad Railway Station and walking distance from Vaishali Metro Station (Under Construction).
Address	:	Plot 321, Sector-4, Vaishali, Ghazaibad. (Opp. Sector-4 Park)
Conveyance	:	• Taxi/Auto for Sector-4, Vaishali from New Delhi Station. • Auto/Rickshaw from Anand Vihar Station. • Auto from Ghaziabad Station.
Contact	:	Com. Vinod Kumar, Secretary (Finance) – Mobile : 9431056158

SUCCESS COMES TO THOSE WHO DARE AND ACT

सुखी बैंकिंग जीवन

जीवन की यात्रा में हम अनेक पड़ाव से गुजरते हैं। शायद हम सबों की मंशा कुछ कर पाने की होती है, जिसे कवि श्री जयशंकर प्रसाद की कामायनी में उद्धत निम्नलिखित पंक्तियाँ पूर्णत: परिलक्षित करती हैं–

इस पथ का उद्धेश्य नहीं है
श्रांत भवन में टिक रहना ।
चलते जाना उस सीमा तक
जिसके आगे राह नहीं ।

इस लेख में हम चर्चा करेंगे कि हमारे जीवन के आश्रय एवं एक उद्धेश्य के साथ इस भाग को सफल एवं सुखदायक कैसे बनायें। यह भाग है हमारा बैंकिग जीवन जिसमें हम अपने जीवन का लगभग आधा भाग व्यतीत करते हैं और वैसा भाग जो अत्यंत ही रचनात्मक एवं उत्पादक है।

हमारे बैंकिग जीवन के भी दो पहलू हैं, दो सुख हैं–शारीरिक एवं कार्यपरक (Professional)। सुख की दो प्रकार की अनुभूतियाँ है–अनन्त आशा एवं दु:खों को नहीं आने देने का प्रयत्न।

अनन्त आशा हमारे विश्वास, हमारे विचार पर निर्भर करती है। **ग्लास आधा भरा है या आधा खाली है यह निर्भर करता है हमारे स्वयं के विश्वास पर। ग्लास आधा भरा है** जहाँ हमारी अनन्त आशा का प्रतीक है, **वहीं ग्लास आधा खाली है,** दु:खों का कारण बन सकता है।

जहाँ अनन्त आशा हमारी आध्यात्मिक स्थिति का द्योतक है वहीं दु:खों का निवारण हमारी कार्यशैली का परिणाम है। अब हम दु:खों के कारण एवं निवारण पर शारीरिक एवं कार्यपरक स्थिति में परिचर्चा करेंगे।

शारीरिक दु:खों का कारण हमारी जीवन–शैली है। बैंकिग जीवन से सम्बद्ध कुछ पहलु हैं–

1. अनियमित कार्य समय, भोजन
2. कार्यस्थल का वातारण
3. कार्यस्थल तक / से आवगमन

बढ़ते जीवन स्तर का कार्यस्थल से सामंजस्य न कर पाना शायद उपरोक्त कारणों का मूल है। Daily Commuting हमारी शारीरिक एवं कार्यक्षमता दोनों में ह्रास का मूल कारण बनती है और हमें अन्य दु:खों की ओर ले जाती है।

मेरा मन्तव्य है कि शारीरिक स्वस्थता हेतु हमें निम्नलिखित उपायों पर विचार करना चाहिये जो न सिर्फ हमारे निजी जीवन बल्कि Professional life में भी अत्यन्त सहायक होंगे :

1. Daily Commuting की बजाय एक दिन बाद या एक सप्ताह में दो दिन Commuting का प्रयत्न करें – शरीर को अवश्य आराम मिलेगा, कार्य क्षमता में वृद्धि होगी।
2. अपने कार्य स्थल का भी उतना ही ख्याल रखें जितना अपने घर का रखते है । यह हमारा अधि कार एवं दायित्व दोनों है कि हमारा कार्य स्थल साफ सुथरा रहे।
3. हमारी सेवा मानवीय सम्बन्धों पर आधारित है–अच्छे बोल की कोई कीमत नहीं है पर इसके फायदे अनेक है। हमारी प्रचीन उक्ति है–

स्त्यम् ब्रूयात, प्रियम ब्रूयात ।
न ब्रूयात सत्यम् अप्रियम ॥

यह आवश्यक है कि हम अपने शरीर के लिए खान–पान दवा–दारू के अलावा भी प्रयत्न करें। और ये प्रयत्न है–अनुशासन, व्यायाम, विचार एवं व्यवहार।

अब हम कार्य परक दु:खों के कारण एवं विवरण के विषय में चर्चा करेंगें। मेरी समझ में कार्य परक दु:खों का मूल कारण है–अज्ञानता एवं अंधविश्वास। अंधविश्वास का तात्पर्य है यहाँ Computer the black box एवं आँख बन्द कर दूसरों पर अपने कार्य सम्पादन हेतु विश्वास।

आज के बैंकिग में कार्य क्षमता एवं उत्तरदायित्व बहुत ही साधारण मानवीय गुणों पर आधारित है PIN या PASSWORD जिनकी नकल करना बहुत आसान है। उस परिप्रेक्ष्य में PIN या PASSWORD की जानकारी किसी अन्य को नहीं

देना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यदि हम अपना PASSWORD गोपनीय नहीं रखते हैं तो कोई, कहीं भी, कहीं से, किसी खाता से पैसा, कहीं भी, किसी अन्य बैंक में भी हमारे ID/ PASSWORD का दुरूपयोग कर ट्रांसफर कर सकता है। ऐसी घटना अभी हाल में भी हुई है एवं सम्बद्ध अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए अत्यंत दु:ख का कारण बनी है।

दूसरा महत्पूर्ण अनुशासन है Checking करना – क्योंकि अपनी आँखों से देखा एवं जाँचा ही विश्वास योग्य होता है। साथ ही Checking से किसी के द्वारा जानबुझकर या अनजाने में हुई गलती के सुधार का अवसर मिलता है।

यह भी आवश्यक है उपरोक्त अनुशासन का पाठ हम अपने ग्राहकों को भी पढ़ायें क्योंकि ATM इत्यादि में इसके बढ़ते दुरूपयोग एवं शिकायतों का निवारण हो सके।

ज्ञान अर्जन की कोई उम्र नहीं होती है। जिज्ञासा हमारे जीवन का जीवंत पहलू होना चाहिये। यदि हम अपने कार्यकलाप में जिज्ञासा का अंश रखते हैं तो यह बहुत से सुखों का कारण हो सकती है।

जीवन फूलों की सेज नहीं होती है, उसमें ढ़ेर सारे काँटें भी रहते है। उसी प्रकार हमारे बैंकिग जीवन में भी ढ़ेर सारे काटें हैं। पर उन्हें हम आसानी से पार कर सकते है, जरूरत है सिर्फ विचार की, आस्था की, व्यवहार की।

–श्री सुरेश कुमार अग्रवाल
क्षेत्रीय प्रबंधक
क्षेत्रीय व्यवसाय कार्यालय,आरा

UNION JACK

GD Nadaf

In 1969, then Prime Minister Indira Gandhi nationalized a slew of banks. The same year at a school in Dharwad G D Nadaf was elected 'prime minister' in a mock parliament. It's been a long journey since then for Nadaf, who was appointed by State Bank of India (SBI) to its central board of directors as an officer-employee representative earlier this month.

The 58-year old trade union leader for three decades is currently general-secretary of the All-India Bank Officers' Confederation and All-India State Bank Officers' Federation. He plans to raise issues regarding pension, regulation of working hours and introduction of a five- day week for bank officers, among other issues, as a member of the board. His was one of the three names recommended by the union to SBI, which in turn obtained clearances from various ministries before getting final approval from the appointments committee of the Cabinet.

A fan of legendary actor Dilip Kumar and Bangalore's rage Raj Kumar, Nadaf also participates in dramas organised by groups at the bank, he revealed. Fond of old Hindi songs and Carnatic music, he also pitches in to help create awareness on diabetes as General-Secretary of the Diabetes Confederation of India.

Currently a deputy manager at State Bank of India's local head office at Bangalore, Nadaf started as a cashier at SBI in Belgaum district of Karnataka in 1972. He added to his qualifications while working by passing examinations conducted by the Indian Institute of Bankers and is a post-graduate diploma-holder in human resource management.

Nadaf says his achievements, as the General-Secretary of the All-India Bank Officers' Confederation in 2008 included negotiating a salary revision and widening the options for officers' provident fund schemes. Indian public sector banks must not be privatised and should be allowed to retain their public sector status, says Nadaf clearly.

Gandhi's nationalisation of banks those many years ago left a deep impact on the Dharwad schoolboy.

—SUMIT SHARMA

RUMOUR MONGER-A CATALYST IN THE SOCIETY

Rumour is an unsolicited and doubtful truth conveyed, unlike in the normal communication where there will be a provider and receiver. If there is any communication barrier in an organization news may pass through informal channel, unchecked. In such cases distortion may appear in transmission of such message in the form of rumour or gossip. We see gossip mongers in the society who are interested in conveying information, solicited or unsolicited, polished or unpolished, who try to spoil the society with their colourful or sugar coated lies. The provider will simply enjoy the turmoil that might be created due to their bad mouth.

A rumour is grapevine information which is communicated without authentic standard of evidence.

There are different types of elements in the society who spread rumours, with malafide intention, to damage the equilibrium of not only the society but also the whole country. Matter will be more serious when there will be a war or war like situation, spread of epidemic, terrorist activity or other calamity that will make the people become panicky and cause extensive damage. A rumour is grapevine information which is communicated without authentic standard of evidence. There are different types of grapevine in the society whose only job is to create rumours, intentionally or unintentionally without verifying the facts. The information may be right or wrong but it is undesirable. It could have originated for a number of reasons. It can be with malicious motive or a wish fulfillment, out of revenge or jealousy against an individual or organization. A major outbreak of rumour can be devastating, that may spread like an epidemic destroying the system as well as the society alarmingly. It can engulf the society like a wildfire.

The contents of the message change from person to person, each one adding spice with his/her own ability to get the message twisted or distorted enroute, with the head to tail swell disproportionately to an exaggerated shape. Thus the original form may undergo various transformations by the time it reaches its destination. The creator must be whole heartedly enjoying the result from behind the curtain. There are also people who would like to be anonymous while creating rumours causing panic in the society.

The best approach in dealing with the rumour is to get to its root cause, rather to react spontaneously and try to kill it. If the real issue is exposed it can be curbed or stopped. Once the rumor is spread it is different to erase it from the mind of the people. One of the solutions is to spread the factual position and try to convince. In order to avoid spreading roumour in an organisation it is better to confirm in writing after sending an oral massage.

Rumour mongers are there every where in life. For a trade union it is a curse, as any attempt to spread rumour will only weaken the organisation. When the disgruntled elements spread rumour, against the leadership or the organisation, the creator will remain anonymous. What the right thing the right thinking cadre in general need to do is, not to be carried away by such rumours, keeping in view of its large ramifications.

Courtesy **: Labour Research**

कंप्यूटर सुरक्षा हेतु क्या करें - क्या न करें

- कंप्यूटर रखने के स्थान को साफ-सुथरा रखें।
- आपका कंप्यूटर किसी अन्य की पहुँच से बाहर होना चाहिए। किसी बाहरी व्यक्ति को न तो अपना कंप्यूटर इस्तेमाल करने दें और न ही उसे लैपटॉप इत्यादि जोड़ने की इजाजत दें।
- अपने कंप्यूटर पर कोई ऐसा सॉफ्टवेयर लोड न करें या कराएँ, जो बैंक द्वारा प्राधिकृत न हो.
- आपका कंप्यूटर यदि बैंक के नेटवर्क में हो तो उसे अतिरिक्त मोडेम से न जोंडें, यह बैंक के नेटवर्क के लिए खतरा उत्पन्न कर सकता है।
- यदि आप कंप्यूटर को छोड़ रहे हैं तो इस्तेमाल किये जा रहे सभी प्रोग्राम को बंद कर दें।
- अल्प अवधि के लिए कंप्यूटर छोड़ने की स्थिति में पासवर्ड युक्त स्क्रीन-सेवर का उपयोग किया जा सकता है।
- अपने कंप्यूटर के किसी भी फाइल या फोल्डर को अनावश्यक रूप से शेयरेबल न बनायें।
- आपका पासवर्ड ऐसा होना चाहिए जिसे अनुमानित न किया जा सके।
- पासवर्ड में किसी का नाम, जन्म-तिथि, वाहन या कोई अन्य संख्या इत्यादि नहीं रखना चाहिए।
- आपका पासवर्ड सशक्त होना चाहिए, जिसमे कम से कम आठ अक्षरों, संख्याओं एवं विशेष अक्षरों का समावेश हो।
- ध्यान रखें कि आपके पासवर्ड के इस्तेमाल के समय कोई न देखे।
- दूसरों के द्वारा पासवर्ड इस्तेमाल करते समय उसे देखने का प्रयास न करें।
- पासवर्ड को निश्चित अंतराल पर, दूसरों को बताने (यदि आत्यावश्यक हो) के बाद अपने प्रथम इस्तेमाल पर या यदि ऐसा महसूस हो कि किसी ने आपका पासवर्ड जान लिया है तो अवश्य बदल देना चाहिए।
- यदि पासवर्ड लिखकर रखना हो, तो उसके बीच-बीच में अन्य अक्षरों, संख्याओं इत्यादि को इस प्रकार मिलाकर लिखें, जिसे आप इस्तेमाल के समय हटा सकें।
- यह सुनिश्चित करें कि आपके कंप्यूटर पर बैंक द्वारा उपलब्ध एंटी-वायरस सोफ्टवेयर लोड किया गया है।
- किसी बाह्य डाटा स्टोरेज यन्त्र, जैसे सी॰डी॰, पेन-ड्राइव, हार्ड-डिस्क इत्यादि को अपने कंप्यूटर से न जोंड़े, यदि ऐसा करना आवश्यक हो तो पहले उसे स्कैन कर यह सुनिश्चित करें कि उसमें वायरस नहीं है।
- अपने कंप्यूटर पर बाह्य माध्यम से कोई गेम इत्यादि लोड न करें।
- ईमेल के इस्तेमाल में चेन-मेल से बचें।

प्रस्तुति : **अजीत कुमार गुप्ता**
उप प्रबंधक (प्रणाली)
सूचना, प्रोद्यौगिकी एवं सेवायें विभाग स्थानीय प्र॰क॰, पटना

GDP

We are regularly discussing the GDP on various fora. However what is this, we have tried to educate our members as under :—

What is GDP ?

GDP, or gross domestic product, is the value of all goods and services produced in the economy over a period of time, normally a year. The measure excludes intermediate goods, or the goods and services that go into the production of other goods. This is to prevent double counting as value of intermediate goods is already included in the final goods or service. It is a gross measure in that value of capital goods that goes into replacement is not netted out. It is a 'domestic' measure as it does not include income from abroad.

What is the significance of GDP ?

The absolute GDP and its growth are important indicators of the health of an economy. While absolute GDP gives an idea of the size and the relative importance of a country in the global system, its growth gives an indication of its future progress; The measure, however, suffers from a number of shortcomings. The creator of the GDP, Simon Kuzhets, had pointed out the flaws while presenting it to the US Congress. "The welfare of a nation can scarcely be inferred from a measurement of national income," he had said.

What are the key shortcomings of the measure?

GDP measures only the overall income generation in the economy. It does not tell us to whom the income accrues and where it is spent. A poor distribution can mask islands of underdevelopment. For instance, agriculture has an 18% share in India's GDP, but the sector supports more than 60% of the people, implying that per person share of the national income is very low for a vast majority.

It also misses out on goods and services which are not traded - such as household work, natural resources and leisure. It is also a quantitative measure that makes no distinction for the quality of national income. For instance, environmentally harmful mining could boost national income but at a huge cost to the society at large.

What other measures make it more meaningful ?

A per capita measure of GDP, or the absolute level of GDP divided by the population of a country, pitches the number in relation to the people. This number gives us a sense of what everybody would be earning if the income were distributed equally. Of course, in real situation the income will be unequally distributed. India is among the biggest economies, but low per capita GDP rightly pitches it among the poorer nations. Measures such as Human Development Index give a qualitative dimension to GDP.

***Source*— Economic Times**

HEALTH CORNER

Increasing your awareness on bone and joint

A healthy joint

As joint ailments become a growing cause of worry, we bring you a few tips to keep your joints healthy:

- **Lose weight :** Less weight on your body translates into less stress on the joints.
- **Don't over-exercise :** Your exercise pattern should be followed up with a repair pattern. Do not overdo your exercising and strain yourself. Allow your body to rest and recuperate.
- **Supplement :** Your joints need a good dose of vitamins. minerals. calcium, and other supplements to stay healthy. Ensure that your body is getting enough of them..

A diet for your bones

Your diet goes a long way in determining the health of your joints. Make sure your meal has:

- Calcium for better bone build-up. The best sources are dairy foods, nuts, sesame seed, soya produce, whole grains, vegetables. and fish.
- Vitamin D, magnesium. and phosphorous to help the body absorb calcium. These can be easily found in nuts, seeds, soya produce, and whole grains.
- Phytoestrogens, or plant estrogens to slow bone-loss. Pile up on soya produce. Sesame, sunflower and pumpkinseeds, chickpea, linseed, and alfalfa.
- Oxalates for binding with calcium to make it un-absorbable. Oxalates are found in spinach, strawberries, figs, wheat bran, and soya products.
- Phytates, found in the outer layer of many seeds, grains, and beans for binding with calcium to make it un-absorbable.

Exercise for the joints

When you start an exercise regime, there are certain things you need to be mindful of to ensure healthy joints.

- **Stretch :** Include stretching exercises into your routine. These flexibility exercises should be performed for 5- 7 minutes before a work-out.
- **Warm up :** Never skip this part of your routine even if you are in a tearing hurry. The body has to warm up adequately to avoid injuries. Warming up the tendons makes them flexible and helps them handle exercise loads.

- **Change :** Breaking away from the routine always helps. Changing the type of exercise takes the load off your joints and helps prevent pain and Injuries.
- **Shoes :** The shoes you wear go a long way in determining the amount of comfort and cushioning your joints are going to get. Choose the right shoes for the type of exercise you like - running, walking, basketball, or tennis.

— ***Collection by :*** **Shri L. K. P. Singh**

JUDGEMENT IN BRIEF

Bank Employees Right Upheld

When a bank employee is removed for misconduct, he is entitiled to see the enquiry report against him before the action is taken, the SC stated while disposing off an appeal of Punjab National Bank against its former manager, K. K. Verma. He was relieved of his job in 1985,two years before his retirement date. The bank contended it was not mandatory to supply the enquiry report to the employee. However, the court rejected the argument and asked the bank to provide the employee the enquiry report and the order of the disciplinary authority which had differed with the enquiry report. This will enable him to challenge the bank's action.

Source : **Business Standard**
Dt.20/09/2010

Always Be A Positive Person

Every thing in this world have two edges, one is positive and another is negative. Likewise sweet & sour, happy & sorrow, day & night. There is always a conflict between the two. When one grows another diminishes. There is nothing static in this nature. This is like a cycle of day & night. As an aware and enlightened person in the bank we are also facing these two things in our day to day life. By our activities we left some impressions. This impression also may be good or bad (positive or negative). In every sphere of life each and every member comes forth with this. We should always try to leave behind us a good impression. God has given us an opportunity to make good to yourself, to family members, to neighbours, to customers, to society and so on. Good impressions seek sacrifice. People will come and go but his good impressions will remain generation after generation.

—**MASRUR ALAM,** Branch Manager,
Mithapur Branch, Patna

ब्लॉग

ब्लॉग एक व्यक्तिगत डायरी है। एक दैनिक प्रवचन मंच। एक सहयोगपूर्ण स्थान। एक राजनैतिक सोपबॉक्स। एक ताज़ा समाचार आउटलेट। आपके अपने निजी विचार। दुनिया को दिए जाने वाला ज्ञापन।

आपका ब्लॉग वैसा ही है जैसा आप उसे चाहते हैं। ऐसे लाखों हैं, सभी आकृति और आकारों में, और वास्तव में कोई खास नियम नहीं हैं।

सामान्य शब्दों में, ब्लॉग एक वेब साइट है, जहाँ आप नियमित तौर पर सामग्री लिखते हैं। नई सामग्री सबसे ऊपर दिखती है, ताकि आपके विजिटर पढ़ सकें कि नया क्या है ? इसके बाद वे उस पर टिप्पणी कर सकते हैं या उसे लिंक कर सकते हैं या आपको ईमेल कर सकते हैं।

1999 में Blogger में लांच होने के बाद से, ब्लॉगों ने वेब के पूरे स्वरूप को ही बदल डाला, राजनीति को प्रभावित किया, पत्रकारिता को हिलाकर रख दिया, और इसने लाखों लोगों को अपनी आवाज़ उठाने और अन्य लोगों के साथ जुड़ने में सहायता की। ब्लॉग वेब पर आपको अपनी आवाज़ देता है। यह वह स्थान है जहाँ आप जो चीजें आपको रुचिकर लगती है उन्हें संग्रहीत और साझा कर सकते हैं फिर चाहे वो आपकी राजनीतिक टिप्पणियाँ हों, कोई व्यक्तिगत डायरी हो, या उन बेव साइटों के लिंक हों जिन्हें आप याद रखना चाहते हैं।

बहुत से लोग बस अपने विचारों को व्यवस्थित करने के लिए ब्लॉग का प्रयोग करते हैं, जबकि दूसरे प्रभावकारी, पूरी दुनिया के हज़ारों लोगों पर अपनी छाप छोड़ते हैं. प्रोफेशनल और शौकिया पत्रकार ब्लॉगों का उपयोग नवीनतम समाचार प्रकाशित करने के लिए उपयोग करते हैं, जबकि व्यक्तिगत पत्रकार अपने अंदरूनी विचारों की अभिव्यक्ति के लिए। आपको जो भी कहना हो, ब्लॉग आपको वह कहने में मदद कर सकता है। ब्लॉगिंग का मतलब अपने विचारों को वेब पर प्रस्तुत करने से कुछ अधिक है. यह ऐसे किसी भी व्यक्ति के साथ जुड़ने ओर उनकी सुनने के बारे में है, जो आपके कार्य को पढ़ता है और उसकी प्रतिक्रिया देने का प्रयास करता है. ब्लॉगर के साथ, आप नियंत्रित करते हैं कि कौन आपके ब्लॉग को पढ़ और लिख सकता है अपनी बातें या तो कुछ ही मित्रों को या फिर सारी दुनिया को बताएँ.

ब्लॉगर की टिप्पणियों के द्वारा कोई भी, कहीं से भी आपके संदेशों पर प्रतिक्रिया दे सकता है। आप इस बात का चयन कर सकते हैं कि संदेश-दर-संदेश के आधार पर टिप्पणियां स्वीकार करें या नहीं, और आप किसी भी ऐसी टिप्पणी को हटा सकते हैं, जो आपको पसंद नहीं है.

पहुँच नियंत्रणों से आप यह निर्धारित कर सकते हैं कि आपके ब्लॉग को कौन पढ़ सकता है और कौन उस पर लिख सकता है। छोटी टीमों, परिवारों और अन्य समूहों के लिए एक ज़बर्दस्त संचार उपकरण के रूप में आप एकाधिक लेखकों के समूह ब्लॉग का उपयोग कर सकते हैं. या फिर इकलौते लेखक के रूप में सामाचार संग्रह, संपर्क संग्रह करने और अपने विचारों को अपनी इच्छानुसार अधिकाधिक लोगों के साथ बांटने के लिए आप निजी ऑनलाइन स्थान भी बना सकते हैं।

ब्लॉगर प्रोफ़ाइल आपको उन लोगों और ब्लॉगों को खोजने में मदद करते हैं जिनकी रूचियाँ आपके जैसी हैं। अपका ब्लॉगर प्रोफ़ाइल, जहाँ आप अपने ब्लॉगों, अपनी रूचियों, और बहुत कुछ को सूचीबद्ध करते हैं, दूसरे लोगों को आपको खोजने में मदद करता है.

ट्विटर :

ट्विटर एक मुक्त सामाज़िक नेटवर्क व सूक्ष्म-ब्लॉगिंग सेवा है जो अपने उपयोगकर्ताओं को अपनी अद्यतन जानकारियों, जिन्हें **ट्वीट्स** कहते हैं, एक दूसरे को भेजने और पढ़ने की सुविधा देता है। ट्वीट्स 140 अक्षरों तक के पाठ्य-आधारित पोस्ट होते हैं, और लेखक के रूपरेखा पृष्ठ पर प्रदर्शित किये जाते हैं, तथा दूसरे उपयोगकर्ता अनुयायी (**फोलोअर**) को भेजे जाते हैं। प्रेषक अपने यहां उपस्थित मित्रों तक वितरण सीमित कर सकते हैं, या डिफ़ॉल्ट विकल्प में मुक्त उपयोग की अनुमति भी दे सकते हैं। उपयोगकर्ता ट्विटर वेबसाइट या लघु संदेश सेवा (SMS), या बाह्य अनुप्रयोगों के माध्यम से भी ट्विट्स भेज सकते हैं और प्राप्त कर सकते हैं। इंटरनेट पर यह सेवा नि:शुल्क है, लेकिन एस.एम.एस. के उपयोग के लिए फोन सेवा प्रदाता को शुल्क देना पड़ सकता है। ट्विटर सेवा इंटरनेट पर 2006 में आरंभ की गई थी और आरंभ होने के बाद टेक-सेवी उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं में खासी लोकप्रिय हो चुकी है। ट्विटर कई सामाजिक नेटवर्क जालस्थलों जैसे माइस्पेस और फेसबुक पर काफी प्रसिद्ध हो चुका है। ट्विटर का मुख्य कार्य होता है यह पता करना कि कोई निश्चित व्यक्ति किसी समय क्या कार्य कर रहा है। यह माइक्रो-ब्लॉगिंग की तरह होता है, जिस पर उपभोक्ता बिना विस्तार के अपने विचार व्यक्त कर सकता है। ऐसे ही ट्विटर पर भी मात्र 140 शब्दों में विचार व्यक्त हो सकते हैं।

असफलता का अर्थ है कि प्रयत्न पूरी लगन से नहीं हुआ।

उपयोग

ट्विटर उपभोक्ता विभिन्न तरीकों से अपना खाता अद्यतन अपडेट कर सकते हैं। वे वेब ब्राउज़र से अपना पाठ संदेश भेजकर अपना ट्विटर खाता अद्यतित कर सकते हैं, और ईमेल या फेसबुक जैसे विशेष अन्तरजाल अनुप्रयोगों (वेब एप्लीकेशन्स) का प्रयोग कर सकते हैं। संसार भर में कई लोग एक ही घंटे में कई बार अपना ट्विटर खाता अद्यतन करते रहते हैं। पिछले वर्ष से संसार के कई व्यवसायों में ट्विटर सेवा का प्रयोग ग्राहकों को लागातार अद्यतन करने के लिए किया जाने लगा है। कई देशों में सामजसेवी भी इसका प्रयोग करते हैं। कई देशों की सरकारों और बड़े सरकारी संस्थानों में भी इसका अच्छा प्रयोग आरंभ हुआ है। ट्विटर समूह भी लोगों को विभिन्न आयोजनों की सूचना प्रदान करने लगा है। अमेरिका में 2008 के राष्ट्रपति चुनावों में दोनों दलों के राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने आम जनता तक इसके के माध्यम से अपनी पहुंच बनाई थी। माइक्रोब्लोगिंग विख्यात हस्तियों को भी लुभा रही है। इसीलिये ब्लॉग अड्डा ने अमिताभ बच्चन के ब्लॉग के बाद विशेषकर उनके लिये माइक्रोब्लॉगिंग की सुविधा भी आरंभ की है। हाल के समाचारों में शशि थरूर, ऋतिक रोशन, सचिन तेंदुलकर, अभिषेक बच्चन, शाहरूख खान आदि भी साइटों पर दिखाई दिये हैं। अभी तक यह सेवा अंग्रेजी में ही उपलब्ध थी, किन्तु अब इसमें अन्य कई भाषाएं भी उपलब्ध होने लगी हैं।

सुरक्षा

ट्विटर पर ट्वीट्स की सामग्री का आरेखन

हाल के दिनों में ट्विटर पर भी कुछ असुरक्षा की खबरें देखने में आयी हैं। ट्विटर एक हफ्ते के भीतर दूसरी बार फिशिंग स्कैम का शिकार हुई थी। इस कारण ट्विटर द्वारा उपभोक्ताओं को चेतावनी दी गई कि वे डायरेक्ट मेसेज पर आए किसी संदिग्ध लिंक को क्लिक न करें। साइबर अपराधी उपभोक्ता लोगों को झांसा देकर उनके उपभोक्ता नाम और पासवर्ड आदि की चोरी कर लेते हैं। इनके द्वारा उपभोक्ता को ट्विटर पर अपने मित्रों की ओर से डायरेक्ट मेसेज के भीतर छोटा सा लिंक मिल जाता है। इस पर क्लिक करते ही उपभोक्ता एक फर्जी वेबसाइट पर पहुंच जाता है। यह ठीक ट्विटर के होम पेज जैसा दिखता है। यहीं पर उपभोक्ता को अपनी लोग-इन ब्यौरे एंटर करने को कहा जाता है, ठीक वैसे ही जैसे ट्विटर के मूल पृष्ठ पर होता है। और इस प्रकार ये ब्यौरे चुरा लिये जाते हैं। इससे बचने हेतु उपभोक्ताओं को अपने खाते का पासवर्ड कोई कठिन शब्द रखना चाहिये और सभी जगह एक ही का प्रयोग न करें। यदि उन्हें यह महसूस होता है कि उनके ट्विटर खाते से संदिग्ध संदेश भेजे जा रहे हैं तो अपने पासवर्ड को तुरंत बदल लें। इसी तरह अपने ट्विटर खाते की सेंटिंग्स या कनेक्शन एरिया भी जांचे। यदि वहां किसी थर्ड पार्टी की ऐप्लिकेशन संदिग्ध लगती है तो खाते को एक्सेस करने की अनुमति न दें।

ट्विटर ने भी सुरक्षा कड़ी करने हेतु पासवर्ड के रूप में प्रयोग होने वाले 370 शब्दों को निषेध कर दिया है। उनके अनुसार पासवर्ड के इन शब्दों के बारे में अनुमान लगाना सरल है।

संकलनकर्त्ता : **मिलिन्द कुमार झा**
सदस्य, अधिकारी संघ, आँचलिक समिति, पटना

प्रेरणा

आकाश की उँची उड़ानों में,
सपनों की मरमरी फिजाओं में,
जहाँ मन क्षितिज को भी निराकर कर दे,
जीवन में नये रंग भर दे।

चलो उस पथ पर ऐ पथिक,
जिसकी मंजिल शून्य को भी,
साकार कर दे।

मगर उस पथ पर कंकड़ है अधिक,
चलो फूलों से सजा दें उसे,
अपने ख्वाबों की राहों में,
निरंकुश उड़ सकें।
आशाओं की शिवालों पर अन्त की बिन्दु ना हो,
कितनी भी त्रिशंकू हो यात्रा,
हृदय में कोई अंकुश ना हो।

क्षितिज की सीमाओं को छूने का
ख्वाब ना हो मन में,
क्षितिज से भी आगे निकलने,
वालों की जीत है।

चलो उस पथ पर ऐ पथिक,
जिसकी मंजिल शून्य को भी,
साकार कर दे।

-पूजा सिन्हा
पी॰ओ॰ (2008)

CORRESPONDENCE WITH BANK

CIRCULAR NO. 33/2010 **DATE 10.11.2010**

TO.

ALL MEMBERS

We reproduce hereunder the text of AISBOF Circular No. 111 dated 09.11.2010 on the captioned subject, the contents of which are self-explicit.

With warm greetings,

OUR UNITY : ZINDABAD-ZINDABAD
S.B.I.O.A. : ZINDABAD-ZINDABAD

(ANIRUDH AKHAURI)
GENERAL SECRETARY

LAND MARK JUDGEMENT IN SUPREME COURT RULE 68(3)(III) OF SBIOSR, PERSONAL HEARING TO OFFICERS

Affiliates are requested to take note of the recent judgement of the Hon'ble Supreme Court, which is a milestone in the Domestic Enquiry proceedings.

2. In a landmark judgement, in the case "SBI and others Vs Shri. Ranjit Kumar Chakraborty and another", the Supreme Court held that, whenever Appointing Authority (who is different from the Disciplinary Authority) considers the records in respect of the disciplinary enquiry conducted against a delinquent officer, in accordance with rule 68(3)(iii) of SBIOSR, before passing any order of punishment, the Appointing Authority should give a notice and hear the delinquent official. In other words, whenever a major penalty is to be imposed upon an officer for the proved misconduct, the Appointing Authority must give a personal hearing to the delinquent officer, before imposing any major penalty under rule 68(3)(iii) of SBIOSR.

3. In a similar case of Shri. Kamal Kishore Prasad, the Bank had filed a SLP in the Supreme Court, against the judgement and order of the Hon'ble High Court of Patna which passed an order for personal hearing to the delinquent employee which inflicted punishment, the Hon'ble Supreme Court in the appeal filed by the Bank, has stayed the operation of the impugned judgement of High Court of Patna.

4. In view of Supreme Court judgement, in the case of Shri. Ranjit Kumar Chakraborty, and till such time the case of Kamal Kishore Prasad is finally decided, the Bank has decided, as an interim measure, that the Appointing Authority while deciding the punishment to the officer for the proved misconduct, must give a personal hearing to the delinquent officer before imposing any major penalty under rule 68(3)(iii) of SBIOSR. Where the Disciplinary authority and the Appointing Authority is the same, the Disciplinary Authority will give the personal hearing to the delinquent officer before Imposing any major penalty.

5. All the affiliates / members, especially, comrades handling disciplinary cases may take note of this development for strict compliance at the respective Circles, as personal hearing is now, mandatory.

With Diwali greetings,

(G.D.NADAF)
GENERAL SECRETARY

CIRCULR NO 34/2010 **DATE 22.11.2010**

TO,

All Members

We reproduce hereunder the text of AISBOF Circular No. 116 dated 21.11.2010 on the captioned subject, the contents of which are self-explicit.

With warm greetings,

OUR UNITY : ZINDABAD-ZINDABAD
S.B.I.O.A. : ZINDABAD-ZINDABAD

(ANIRUDH AKHAURI)
GENERAL SECRETARY

JOINT STRUGGLE ON OUTSTANDING ISSUES STRIKE ACTION WITHDRAWN ISSUES CLINCHED - CONGRATULATIONS

We reproduce hereunder the text of Joint Circular No.26 dt.21.11.2010 on the captioned subject, the contents of which are self-explicit.

With greetings

(G. D. NADAF)
GENERAL SECRETATRY

TEXT

We draw your attention to the Joint Circular no. 25 dated 3rd November 2010 issued by All India State Bank of India Staff Federation and All India State Bank Officers' Federation regarding proposed Strike Action on 25th and 26th November 2010 and subsequent Indefinite Strike to be commenced in the last week of December 2010. We had stated that both the Federations had demanded for sorting out the outstanding issues through negotiated tripartite discussions. Bank's Management had advised us that they were pursuing the matter with the Government authorities for amicable settlement. However since there was no visible headway, the Steering Committee of both Federations in their meeting held on 2nd November 2010 had taken a decision for the Strike Action in order to draw the attention of Government and other agencies towards the seriousness of issues involved.

On this backdrop, in view of certain developments, the Bank's Management had convened a Tripartite Meeting on 20th November 2010 at the Bank's Corporate Centre, Mumbai. The meeting was chaired by Shri Narayanan Raja, Dy. Managing Director & Corporate Development Officer. On behalf of the Bank were present Shri B. B. Das, Advisor (HR); Shri Suresh Chandra, DGM (IR) and Shri Deepankar Bose, DGM (PM & PPG). On behalf of All India State Bank of India Staff Federation Com. Bhupen Kalita, President; Com. Prakash Gangal, Secretary; Com. M. V. Murali, Sr. Vice President; Com. P. A. Manjunatha, Sr. Vice President and Com. Shyamal Karmakar; Sr. Vice President participated. All India State Bank Officers' Federation were represented by Com. T. N. Goel, President; Com. G. D. Nadaf, General Secretary, G. Muthuswamy; Vice President and Com. D. Krishnakumar, Vice President.

Shri N. Raja, DMD & CDO advised the Federations about the receipt of following approval from the Government of India:

a) The Government of India had accorded approval to the Bank to distribute the amount of Rs. 289.64 crores, representing balancing cost of pension in respect of

SBI arising out of the 9th Bipartite Settlement and Joint Note both dated 27.4.2010 amongst the employees in the form of allowances. This amount would however be frozen as on 1.11.2007 for the entire duration of 9th Bipartite Settlement. The Bank would have to submit a formal proposal for utilization of this amount to the Government for approval and the amount would be distributed after such approval.

b) (i) Pension may be granted on the basis of average of the last 12 months pay of service from 1.11.2007.

(ii) The ceiling of pay for the grant of pension @ 50% is raised from Rs. 21,040/ - to Rs. 31,500/-, the maximum of the pay scale of Scale I officer with four stagnation increments, and if the pay exceeds thereto, then 40% of pay, subject to a minimum pension of Rs. 15,750/-.

The DMD & CDO further advised that in view of the said approval granted by the Government of India, both the Federations should withdraw the strike notice.

Both the Federations wanted to know the developments on other issues mentioned in the strike notice. DMD & CDO advised as under:

- As regards commutation at par with industry demand, the Government had not yet responded.
- Government did not find justification for Bank level improvement in Family Pension as it was an industry level issue and all Banks, RBI and various financial institutions have the same scheme.
- On the issue of revision of pension of earlier retirees the Government was of the view that there were many court cases going on the subject due to which they were not in a position to take a favourable view at present. However efforts would be made to clinch the issue.
- The issue of updation of Pension as in the case of Central Government employees needed to be taken up at Industry level.
- The Bank would hold separate discussions regarding other issues mentioned in the strike notice viz. restoration of erstwhile modular structure and shifting of AGM (Admin)
- Further discussions would also be held on the issue of withdrawal of instructions regarding penalty.

In view of the above developments regarding approval from the Government of India and the pro-active attitude of the Bank's Management in properly presenting the issues to the Government and securing their approval and their assurance for discussions to resolve other issues of the Strike Notice, both Federations agreed for withdrawal of strike notice.

Comrades, we have always been reasonable in our approach while resolving the issues taken up by us. Since required approval has been obtained in some areas of concern and there is an assurance to sort out the differences in other areas through mutual discussions, we have decided to withdraw the agitational programme advised through our earlier communication. We thank our members for their steadfast support to the agitation call and note to keep them posted of future developments. We also thank IBA/ Government and SBI Management for their timely initiative for early resolution of the issues.

With militant greetings,

Sd/-	Sd/-
(G. D. NADAF)	**(PRAKASH GANGAL)**
GENERAL SECRETARY	SECRETARY
AISBOF	AISBISF

CIRCULAR NO. 35/2010 **Date : 22.11.2010**

TO

ALL MEMBERS

OPENING OF SBIOA (PATNA CIRCLE) GUEST HOUSE AT DELHI

We feel great pleasure in advising that the long cherished dream of the Circle Association of opening a Guest House in the national capital was fulfilled on the 18th November 2010, with the inauguration of our Guest House by Com. T.N. Goel, President of All India State Bank Officers' Federation. Comrade Goel cut the tape, took a round of the premises and declared "This is the best Association Guest House I have seen". The architecture, the decor, the furniture/fixture and the overall ambience had all the members present on the occasion spell bound.

2. *Earlier, Puja was performed in the newly acquired floor by Com. S.B. Kanth, Deputy General Secretary and the chanting of mantras and slokhas, together with the Havan purified the entire atmosphere. A galaxy of Central Committee office - bearers, led by Comrade L.K.P.Singh, President participated in the function.*

3. *The Circle Association has decided to initially keep the room charges at Rs.200/- per day for 2 persons. Extra person in the room would be charged Rs. 100/-. Bookings can be made through the Association Office by sending your booking request by fax on (0612-2209118). Booking will be confirmed after the full payment is received in the account of the Association.*

4. *The Guest House has four large air-conditioned rooms with double bed, LCD T.V. and catering arrangement. We have also initiated steps to acquire the first floor of the building so that the number of rooms can be increased in due course. Comrades, the Association thanks all its members for their support and seeks co-operation of every one for the proper maintenance of the facilities in the Guest House and for enforcing discipline thereat.*

The Address of the Guest House is :

SBIOA (PATNA CIRCLE) TRANSIT HOUSE
2ND FLOOR
PLOT–321,
SECTOR–4
VAISHALI,
GHAZIABAD

With warm greetings,

OUR UNITY : ZINDABAD-ZINDABAD
S.B.I.O.A. : ZINDABAD-ZINDABAD

(ANIRUDH AKHAURI)
GENERAL SECRETARY

समाचार

दैनिक भास्कर 24.11.2010

गिरफ्तारी से गुस्से में हैं बैंक कर्मी

जाली डाक टिकटों के लिए पोस्ट ऑफिस जिम्मेवार

भास्कर न्यूज | रांची

पुरानी प्राथमिकी के आधार पर पुलिस ने भारतीय स्टेट बैंक की दीपाटोली शाखा में कार्यरत सहायक प्रबंधक सुनीता कच्छप को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तारी से स्टेट बैंक के अधिकारियों और कर्मचारियों में जबरदस्त रोष है।

एसबीआई आफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी अनिरुद्ध अखौरी,दुर्गा राम व एआर मिश्रा का कहना है कि किसी भी बैंक अधिकारी व कर्मचारी को बैंक अवधि में गिरफ्तार करना कानूनन गलत है। घटना के बाद बैंक की सारी शाखाएं बंद करने का निर्णय लिया गया, लेकिन मंडल प्रबंधक के सकारात्मक रुख के कारण निर्णय टाल दिया। उनका कहना है कि बैंक अपनी जरूरत के टिकट पोस्ट ऑफिस से खरीदते हैं। अगर टिकट जाली निकलते हैं, तो पोस्ट ऑफिस जिम्मेवार है।

संवाददाता सम्मेलन में जानकारी देते बैंक अधिकारी। फोटो । भास्कर

दैनिक जागरण
25.11.2010

गिरफ्तारी का विरोध

रांची : वर्ष 1999 में जाली पोस्टल स्टांप जारी करने के आरोप में मंगलवार को एसबीआई दीपाटोली से सुनीता कच्छप को गिरफ्तार करने के मामले में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ऑफिसर्स एसोसिएशन ने विरोध जताया है। एसोसिएशन की ओर से सुनीता को जल्द से जल्द रिहा करने की मांग की गई है।

मांग पूरी न होने पर बैंक कर्मचारी प्रदेशव्यापी हड़ताल पर जा सकते हैं। अधिकारियों का कहना है कि 11 साल पुराने मामले में किसी भी सरकारी कर्मचारी को पुलिस इस तरह से गिरफ्तार करना समझ से परे है। मामले की जांच होनी चाहिए।

क्या था मामला

वर्ष 1999 में अशोकनगर पोस्ट ऑफिस में जाली पोस्टल स्टांप पाए गए थे। सुनीता कच्छप उस समय एसबीआई अशोकनगर में स्टांप डिस्पैच क्लर्क के पद पर कार्यरत थीं। पुलिस की प्रारंभिक जांच में पोस्टमास्टर के साथ-साथ सुनीता भी आरोपी पाई गई थी। अशोकनगर पोस्ट मास्टर को निलंबित कर दिया गया, जबकि सुनीता के खिलाफ जांच जारी रही।

प्रभात खबर/पृ०-6/25.11.2010

कार्यक्षेत्र से गिरफ्तारी गलत : एसोसिएशन

रांची : स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआइ) अॅफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव अनिरुद्ध अखौरी ने दीपाटोली शाखा की असिस्टेंट मैनेजर सुनीता तिग्गा की बैंक से गिरफ्तारी को गलत बताया है..

संबोधित करते एसोसिएशन के महासचिव.

उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि जाली स्टांप का मामला 1999 का है. उस समय श्रीमती तिग्गा अशोक नगर शाखा में डिस्पैच में थीं. उनके पास से जो जाली स्टांप बरामद हुआ था, उन्होंने उसे अरगोड़ा पोस्ट ऑफिस से मंगाया था. इस मामले का उजागर होने के बाद पोस्टल विभाग ने प्राथमिकी दर्ज करायी थी. जांच में जाली टिकट व एनएससी मिले थे. असिस्टेंट सुपरिटेंडेंट पर प्राथमिकी भी दर्ज की गयी थी, किंतु बाद में उन्हें हाइकोर्ट से बेल मिल गया था. सारा दोष पोस्ट ऑफिस का है, फिर हमारे अधिकारी की गिरफ्तारी क्यों हुई. एसोसिएशन हड़ताल के मूड थे, किंतु एसबीआइ महाप्रबंधक ने आश्वासन दिया कि श्रीमती कच्छप का केस प्रबंधन लड़ेगा इसके बाद एसोसिएशन ने हड़ताल वापस ले ली.

RECENT POSTINGS OF COMMITTEE MEMBERS

Com. S.B. Kanth	–	SARC, Patna
Com. Vikas Kumar	–	SARC, Jameshedpur
Com. Pankaj Jha	–	Gulzarbagh Branch
Com. Masrur Alam	–	Mithapur Branch
Com. K.K. Singh	–	PBB, Ranchi

— ***Editor***

HUDUSTAN TIMES
25.11.2010

SBI OFFICER HELD, WORKERS SEEK JUSTICE

HT Correspondent
■ jam.live@hindustantimes.com

RANCHI: The State Bank of India's officers' association (SBIOA) has reacted sharply over the arrest of its officer, Sunita Kachhap, in Ranchi. It has demanded action against the postmaster of Ashoknagar post office for the sale of fake stamp.

Argora police arrested Kachhap, an assistant manager at Dipatoli branch on Tuesday in connection with the sale of fake stamp, which took place some 11 years ago.

In 1999, the assistant post superintendent of post office, south sub division, Sitaram had lodged an FIR regarding the reported sale of fake postal stamp from Ashoknagar post office.

Later the police raided the post office and seized a huge quantity of fake stamps.

The postmaster posted at post office was arrested and suspended by postal department. Later he was released on bail.

By that time, Sunita Kachhap, presently posted as assistant manager at Dipatoli branch was working as dispatch clerk at Ashoknagar branch of SBI.

After a gap of 11 years, the police officials from Argora police station visited Dipatoli branch on Tuesday and arrested her. She was immediately produced before the chief judicial magistrate and sent to jail.

General secretary of the SBIOA Aniruddh Akhauri said that the administration is cooperating the bank official for her release on bail.

ARGORA POLICE ARRESTED KACHHAP, IN CONNECTION WITH SALE OF FAKE STAMP, WHICH TOOK PLACE SOME 11 YEARS AGO

हिन्दुस्तान
25.11.2010

जमानत की अर्जी

रांची। एसबीआइ दीपाटोली शाखा की असिस्टेंट मैनेजर सुनीता कच्छप की गिरफ्तारी के बाद बैंक प्रबंधन ने जमानत की अर्जी दी है। ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव अनिरुद्ध अखौरी ने बताया कि सुनीता की गिरफ्तारी गलत ढंग से की गई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1999 में सुनीता अशोक नगर शाखा में डिस्पैच क्लर्क थी। उस वक्त अशोक नगर पोस्टऑफिस से स्टंप मंगवाया गया, जो जाली था। 25 मार्च 1999 को अरगोड़ा पुलिस थाना में इसको लेकर एफआइआर भी की गयी।

विलम्ब से असंतोष बढ़ता है ।

GLIMPSES OF OUR GUEST HOUSE AT DELHI

2nd Floor Purchased; 1st Floor Booked.

Inside the Guest House.

Dining Area.

Room View.

Puja performed on 18th Nov. by **Com. S.B. Kanth,** DGS.

Inauguration by **Com. T. N. Goel,** President, AISBOF

PRINTED MATTER
SUP-POWER

TO,

STATE BANK OF INDIA

Pin Code

From :
State Bank of India
Officers' Association
State Bank Building
West Gandhi Maidan,
Patna - 800 001

Email-sbioa.patna@sbi.co.in

EDITORIAL BOARD

Sarvashree

- A. K. Pandey
- D. K. Kashyap
- Masrur Alam
- M.K. Jha

EDITOR

Shri Vikas Kumar

EDITOR-IN-CHIEF

Shri Anirudh Akhauri

Published by SHRI ANIRUDH AKHAURI, General Secretary, S.B.I. Officers' Association, Patna Circle, and Printed at Tarang Press and Publications Pvt. Ltd., Shivpuri, Patna - 23. Ph. : 9431018714